इन्दौर कौटिल्य एकेडमी

आपकी सफलता का प्रवेश द्वार .....

AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान

सामान्य अध्ययन / GENERAL STUDIES

निर्धारित समय:
Time Allowed :

अधिकतम् अंक
Maximum Marks

नाम. Name : AKanKSHA GARHWAL

मोबाईल नं. Mobile No : 7703837099

ई-मेल पता. E-mail Address : akanksha garhwal44@gmail.com

रोल नं. Roll No : दिनांक (Date) 30/01/2021

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam) हिन्दी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature) Akanksha

प्रश्न – पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़े :

- इसमें 3 प्रश्न हैं तथा सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश–पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
- प्रश्नों में शब्द सामा, जहा विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
- उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रुप से काटा जाना चाहिए।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

- There are 3 question and all the questions are compulsory.
- The Number of marks carried by a question/part is indicated against it.
- Answer must be written in the medium authorized in the admission certificate which must be started clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) booklet in the space provide. No marks will be given for answer written in a medium other than the authorized one.
- Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
- Any page or portion of the page left blank in the answer book must be clearly struck off.

कुल प्राप्तांक (Total Marks Obtained)

टिप्पणी (Remarks)

'खण्ड - अ'

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी

आपकी सफलता का प्रवेश द्वार.....

AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

1 A ऐसी फसले जिनका उत्पादन मूलतः निर्यात एवं लाभ प्राप्ति के उद्देश्य से किया जाता है
जैसे - कपास, गन्ना, मूँगफली, चाय, कॉफी आदि।

1. 2 ऐसी अल्पकालिक प्रतिभूति, जिसके माध्यम से सरकार उधार लेती है। निर्गमन - आरबीआई द्वारा सरकार के लिए
ब्याज रहित बिल, ③ परिपक्वता अवधि, 91, 182, 364 दिन।

1. विभिन्न व्यवसायों में श्रमिकों की गतिशीलता में अपूर्णता के कारण उत्पन्न बेरोजगारी, घर्षणात्मक बेरोजगारी है।

1 प्रधानमंत्री उज्ज्वला व एलपीजी सब्सिडी के तहत स्वैच्छिक आधार पर उच्च वर्गों द्वारा सब्सिडी त्याग करना।

1 शहरी निकायों के विकास एवं संवर्धन के उद्देश्य से क्रियान्वित योजना। नीति आयोग द्वारा शुरू किया गया कदम।
मंत्रालय: शहरी विकास मंत्रालय

1 बैंकों के विकास एवं बढ़ते एनपीए संकट से बचने हेतु आरबीआई द्वारा शुरू की गई योजना।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

1 — एक ही खेत में एक कृषि वर्ष के दौरान कई फसलों का उत्पादन करना ही फसल सघनता है।

$= \frac{\text{सकल फसल क्षेत्र}}{\text{शुद्ध बुआई क्षेत्र}} \times 100$

1

1.9 — लघु, मध्यम, सूक्ष्म उद्योगों के विनियमन व संरक्षण हेतु ऋण प्रदान करने की संस्था।

स्थापना - 1990 - मुख्यालय - लखनऊ

1.10

1.11 — मानव पूंजी वह पूंजी है जिसके माध्यम से देश का सामाजिक, आर्थिक विकास सुनिश्चित किया जा सकता है।

अतः मानव विकास का आधार है।

ग्रामीण क्षेत्र की आर्थिक स्थिति, रोजगार उन्नयन व आय वृद्धि हेतु स्थापित उद्योग, जैसे - लघु कुटीर उद्योग, हथकरघा उद्योग आदि।

आपकी सफलता का प्रवेश द्वार ......
इन्दौर कौटिल्य एकेडमी
AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE
प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

1 — किसी व्यक्ति के संपूर्ण विकास हेतु खाद्यान्न की समुचित पहुँच व गुणवत्ता युक्त भोजन प्राप्ति ही खाद्य सुरक्षा है।

② प्रकार- मात्रात्मक एवं गुणात्मक खाद्य सुरक्षा

1 4 — सरकार द्वारा समर्थित मूल्य जो बाजार में वस्तुओं की कीमत में वृद्धि से बचाव हेतु दिया जाता है।

लाभ - मूल्य स्थिरता, कृषक आय सुनिश्चित, खाद्य सुरक्षा आदि

1. 15

INDORE KAUTILYA ACADEMY

प्रश्न संख्या 2 (1)

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी
आपकी सफलता का प्रवेश द्वार
AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE
प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

आधार क्या है? क्यों जरूरी है।

उत्तर:

→ यह केन्द्र सरकार की ओर से भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा दिया गया कार्ड है जिसमें नागरिकों की विशेष पहचान संख्या अंकित है।

आधार आवश्यकता: → नागरिक विशिष्ट पहचान हेतु
→ पीडीएस एवं टारगेटेड पीडीएस प्रणाली के बेहतर परिणाम हेतु
→ अनेक सरकारी योजनाओं के लाभ प्राप्ति हेतु
→ बैंकिंग प्रणाली एवं डिजिटल इंडिया के सफल क्रियान्वयन में कामदायक।
→ स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ
→ कॉलेज अकादमिक आदि में छात्रवृत्ति प्राप्ति।
→ डिजिलॉकर, पेंशन, इनकम टैक्स आदि क्षेत्र में।
→ विभिन्न व अन्य कल्याणकारी योजनाओं के हित में

निष्कर्षत: इस विशिष्ट संख्या से नागरिक पहचान कर धोखाधड़ी, रिसाव को कम किया जा सकता है।

प्रश्न संख्या

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी

आपकी सफलता का प्रवेश द्वार

AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

2 (2)

प्रश्न: यू॰पी॰ आई पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर: यूपीआई अर्थात् एकीकृत भुगतान इंटरफेस, जो मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से कई बैंक खातों का संचालन, विनिमय, समायोजन व निधियों का निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करता है।

- इसका पहला संस्करण 2016 में जारी किया गया था।
- इसे राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा लॉन्च किया गया है।

हाल ही में यूपीआई 2.0 की शुरुआत की गई है:

विशेषताएँ - ओवरड्राफ्ट खातों से भी जुड़ाव संभव

→ क्यू आर कोड की सुविधा प्रदान

→ लेनदेन तेजी से संसाधित संभव

→ अधिसूचनाओं के माध्यम सुरक्षा की जानकारी प्रदान

→ ग्राहक लेन देन को पूर्व अधिकृत कर सकते हैं व बाद की तारीख में भुगतान कर सकते हैं

निश्चित ही डिजिटल इंडिया, कैशलेस अर्थव्यवस्था को समर्थित करता है।

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी
AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE — प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

2 (3) H.D.I. की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

उत्तर: मानव विकास सूचकांक - यूएनडीपी द्वारा 1990 में मानव विकास के आयामों को संकेतित करने के उद्देश्य से जारी किया गया था।

(3) आयाम - शिक्षा, स्वास्थ्य व लंबा जीवन, बेहतर जीवन स्तर

सूचकांक - शैक्षिक सूचकांक, जीवन प्रत्याशा सूचकांक, प्रतिव्यक्ति आय सूचकांक

इन्हे ही समग्र तौर पर मानव विकास सूचकांक से संबंधित किया जाता है। हाल ही में मानव विकास रिपोर्ट के तहत 2019 में सूचकांक ~~189~~ के तहत भारत 131 वे स्थान पर अवस्थित है जो निम्न स्थिति प्रदर्शित करता है।

कारण: → प्रतिव्यक्ति आय कम (2019-20 - 98,536 ₹)
→ शैक्षिक स्तर ↓, रोजगार ↓,
→ स्वास्थ्य स्थिति निम्न · आदि

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी
AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

2 (7) भारत में बैंको के विकास पर प्रकाश डालिए।

उत्तर: 1991 के आर्थिक सुधारों के तहत एलपीजी सुधार प्रक्रिया के अनुसार भारतीय बैंकिंग व्यवस्था में भी सुधारवादी कदम उठाये गए।

वस्तुत: सर्वप्रथम इम्पीरियल बैंक की स्थापना के साथ बैंकिंग प्रणाली की शुरुआत हुई। तत्पश्चात 19 जुलाई 1969 को 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया एवं 15 अप्रैल 1980 को 6 बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर 20 बैंक सृजित किए गए।
-2017 में SBI के 5 सहयोगी बैंकों का विलय कर एसबीआई विश्व के 20 बड़े बैंकों में शामिल हो गया है
-2019-20 में भी विजया, देना व बड़ौदा बैंक को विलय किया गया।

हाल ही में सरकार द्वारा 10 बड़े बैंकों के विलयीकरण की प्रक्रिया अपनाई गई जिसके पश्चात वर्तमान में 10 बैंकों की संख्या 12 रह गई है।

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी

AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

2(7) स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर: गरीबों को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अप्रैल 1999 में शुरुआत की गई।

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी
AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE
प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान

प्रश्न संख्या 2.9

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

म०प्र० की अर्थव्यवस्था की विशेषताएं का वर्णन कीजिए।

उत्तर: मध्यप्रदेश अर्थव्यवस्था की दृष्टि से एक कृषि प्रधान राज्य समझा जाता है वस्तुतः यहां कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 20% है एवं कुल कार्यबल का 50% से अधिक योगदान शामिल है। इसके बावजूद प्रमुख विशेषताएं निम्न हैं:

विशेषताएं
→ निर्वाह मूलक अर्थव्यवस्था
→

2 | 10. स्पेशल इकोनॉमिक जोन की व्याख्या कीजिए।

उत्तर: विशेष आर्थिक क्षेत्र, उस भौगोलिक क्षेत्र को कहते है, जहां से व्यापार, आर्थिक क्रियाकलाप, उत्पादन व अन्य व्यवसायिक गतिविधियों का संचालन किया जाता है।

ये क्षेत्र देश की सीमा के भीतर विशेष आर्थिक नियम कायदे को ध्यान रख व्यवसायिक गति० संचालित करते है

– भारत पहला एशियाई देश है, जिसने निर्यात वृद्धि हेतु 1965 में कांडला में विशेष आर्थिक क्षेत्र की स्थापना की थी

लाभ – व्यापार ↑↑, निर्यात सकारा० रूप से

→ रोजगार ↑↑, आर्थिक संवृद्धि सुनिश्चित

→ विनिर्माण व उत्पादन में वृद्धि एवं एकीकरण संभव

निश्चित ही ऐसे कई क्षेत्रो के संचालन से भारत अपने निर्यात में वृद्धि एवं आयात संतुलन कर सकता है

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

2.12 म० प्र० के सिंगरौली क्षेत्र का महत्व स्पष्ट कीजिए।

Ans: पूर्वी म०प्र० का सिंगरौली क्षेत्र एक अहम प्राकृतिक संसाधन युक्त क्षेत्र है। जहां व्यापक मात्रा में कोयला खनन कार्य किया जाता है। यहां कोयले की मोटी व ऊंची परत मौजूद है।

महत्व: सवसंरचनात्मक दृष्टिकोण से ऊर्जा क्षेत्र वृद्धि
→ अन्य राज्यों को निर्यात से आर्थिक विकास
→ कोयला आधारित उद्योगों का गठन
→ म०प्र० के औद्योगिकीकरण हेतु अहम भूमिका, वस्तुतः गैरकृषि क्षेत्र निर्भरता ↑↑

परन्तु महत्व के बावजूद पूर्वी क्षेत्र में इन संसाधनों के पर्याप्त दोहन संभव नहीं हो पाया है। मुख्य कारण- तकनीक अभाव, कुशल मानव संसाधन अभाव व पर्याप्त नीति कमी। इस हेतु राजनीतिक सरकारी प्रयास के माध्यम से संसाधन समुचित उपयोग द्वारा राज्य का आर्थिक विकास सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

प्रश्न संख्या

प्र.1 रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया - भारत का शीर्षतम बैंक एवं केंद्रीय बैंक के रूप में अवस्थित है। मूलतः शाही आयोग की सिफारिश पर 1930 में आरबीआई का गठन किया गया था, जिसे 1 अप्रैल 1935 को राष्ट्रीयकरण कर पूर्णतः सरकार के स्वामित्व के अधीन लाया गया।

आरबीआई की संरचना के तहत एक केंद्रीय निदेशक बोर्ड रहता है जिसमें एक गवर्नर व अधिकतम 4 उपगवर्नर होते हैं।

आरबीआई के प्रमुख कार्य केंद्रीय बैंक के रूप में माने जाते हैं जो निम्न हैं:

- मौद्रिक प्राधिकारी
- मुद्रा जारीकर्ता
- सरकार का बैंकर व ऋण प्रबंधन
- बैंकों का बैंकर
- विदेशी मुद्रा प्रबंधन
- भुगतान व निपटान प्रणाली का विनियामक
- विकासात्मक भूमिका

→ मूलतः आरबीआई मौद्रिक नीति का निर्माण करता है जिसके तहत तरलता समायोजन सुविधा के माध्यम से साख नियंत्रण व प्रसार का कार्य करता है।

→ यह मुद्रा जारी करने का एकमात्र व अंतिम संस्थान है एक रुपये से अधिक मूल्य की मुद्रा जारी की जाती है।

→ यह सभी वाणिज्यिक बैंकों के बैंकर के तौर पर ऋण प्रदान एवं साख नियंत्रण का कार्य करता है।
इसके तहत बैंक रेट, रेपो रेट के माध्यम से बैंक अल्पअवधि हेतु ऋण लेते है।

→ यह भारत सरकार के नाम खर्चों एवं ऋणों के लाभ व्यापार खातों का भी समायोजन करता है

→ आरबीआई विदेशी मुद्रा भण्डार का संग्रहणकर्ता एवं संरक्षणकर्ता है।

– इसके अलावा कई विकासात्मक कार्यों के माध्यम से अपनी भूमिका अदा करता है।

पिछले कुछ वर्ष पूर्व ही मौद्रिक नीति समीक्षा हेतु मौद्रिक नीति समिति का गठन किया गया है जिसने मुद्रास्फीति का लक्ष्य 4±2% घोषित किया है।

निश्चित ही आरबीआई की भूमिका एक भारतीय वित्तीय व्यवस्था में एक नियंत्रणकर्ता एवं संरक्षणकर्ता के रूप में देखी जा सकती है।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

3. 2

1952 में केन्द्र व राज्य के मध्य समन्वयकारी संबंध व योजनाओं के उचित क्रियान्वयन के उद्देश्य से राष्ट्रीय विकास परिषद की स्थापना की गई थी।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

3 प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना - 2015 में शुरू की गई योजना है जिसका लक्ष्य- युवाओं को कौशल प्रशिक्षण हेतु प्रेरित करना है।

* मुख्य लक्ष्य - 2020 तक 10 मिलियन युवाओं को प्रशिक्षित करना।

इस योजना के (2) घटक हैं :

1) राष्ट्रीय कौशल विकास निगम द्वारा क्रियान्वित व केन्द्र प्रायोजित घटक

2) राज्य कौशल विकास मिशन द्वारा प्रबंधित घटक

अन्य विशेषताएँ :

→ उन व्यक्तियों को प्रशिक्षण जो या तो स्कूल/कॉलेज बीच में छोड़ चुके बेरोजगार है।

→ प्रशिक्षण - राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क के अनुसार प्रदान किया जाएगा।

→ कौशल प्रमाणन योजना - राष्ट्रीय कौशल विकास निगम द्वारा लागू।

→ इसके तहत प्लेसमेंट ट्रैकिंग को अनिवार्य कर दिया गया है।

→ प्रत्येक जिलों में प्रधानमंत्री कौशल केन्द्र नामक मॉडल कौशल केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

→ इसके अन्तर्गत प्रशिक्षण व मूल्यांकन का संपूर्ण शुल्क सरकार द्वारा भुगतान किया जाएगा।

प्रश्न संख्या
इन्दौर कौटिल्य एकेडमी
AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE
प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान
मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

निश्चित ही यह योजना भारत में बेरोजगारी में कमी लाकर रोजगार सहित संवृद्धि के उद्देश्य को सुनिश्चित करेगी।

इसी उद्देश्य प्राप्ति हेतु इस योजना को प्रतिस्थापित कर स्टार (STAR) - स्टैण्डर्ड ट्रेनिंग असेसमेंट एंड रिवार्ड योजना को शुरू किया जायेगा। जिसका अगला चरण 2020 से 2025 के मध्य पूरा किया जायेगा।

इसके अन्तर्गत योजना को त्वरित व लक्षित रूप में क्रियान्वित किया जायेगा एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नवीनता एवं नवाचार का समावेशन किया जायेगा।

PART- B

प्रश्न संख्या

1.1 ऐसी बेरोजगारी जो विभिन्न देशों के उत्पादन प्रणाली, प्रक्रिया के तहत रोजगार के तहत अल्पकालिक गिरावट के तहत उत्पन्न हो

जैसे - विगत देश संकट इसी बेरोजगारी का परिणाम

1.2 यह भारत के ग्रामीण युवकों को व्यवसायिक तौर पर कुशल बनाने हेतु शुरू परियोजना है।

शुरुआत - 1979

1.3 आर्थिक गतिविधियों के संचालन हेतु नकद प्रणाली का नियंत्रण व मुद्रण प्रदान करना ही नकद साख है।

इसका नियंत्रण आरबीआई व वाणिज्यिक बैंको द्वारा

1.4 नकद आरक्षित अनुपात के तहत प्रत्येक वाणिज्यिक बैंक को अपने कुल साख का निश्चित अंश ~~अब~~ आरबीआई के पास रखवाना होता है। वर्तमान दर = 4%.

1.5 मानव विकास रिपोर्ट के तहत संचालित निदेशांक जो गरीबी के आयामों को सूचित करता है।

आयाम - स्वास्थ्य, शिक्षा, जीवन निर्वाह स्तर | भारत = 27.9% गरीबी

1.6 गरीबी के निर्धारण हेतु गठित समिति जिसने 2009 में आय व कैलोरी आधार पर निर्धारित।

816 ₹ ग्रामीण क्षेत्र एवं 1000₹ शहरी क्षेत्र प्रतिमाह खर्च

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी
AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE
प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान

1 | ऐसी मुद्रा जो साख सृजन अभ्यति, प्रचन, ऋण आदि उद्देश्यों हेतु संचालित व मुद्रित की जाती है। स्वास्थ मुद्रा कहलाती है।

1 | 9 | ऐसा वित्त, जो पर्यावरण एवं सतत विकास उद्देश्यों के हितो को पूरा करने हेतु निर्धारित किया जाए। प्रमुख योजनाएं व कार्यक्रम - पर्यावरण हितैषी होते है।

1 | 10

1 | 11

1 | 12 | मध्यप्रदेश सरकार द्वारा 2020 में शुरु योजना जिसके तहत राज्य के बेरोजगार युवाओं को 100 दिन का रोजगार प्रदान किया जाएगा।
11.

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

1 13 यह कर चोरी व काले धन रोकने का एक नियम है जिसके तहत विदेशी कंपनी निवेश हेतु नियम बनाए गये है यह 1 अप्रैल 2017 से लागू।

1 14 1 जुलाई 2017 से लागू एक अप्रत्यक्ष कर है जो भारत को एकीकृत साझा बाजार बनाने हेतु लागू किया गया। इसमें केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, सेवाकर आदि शामिल।

1 15 यह कीमत में गिरावट की स्थिति है अर्थात् जब मुद्रास्फीति दर शून्य से नीचे चली जाए तो अपस्फीति की स्थिति उत्पन्न होती है

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी
AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE
प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान
मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

2 2. लघु वित्त बैंक से क्या तात्पर्य है?

उत्तर। ऐसे बैंक जो सूक्ष्म, लघु उद्योगों में कार्यरत लोगों, छोटे-मझोले उद्योगों, क्षुद्र लोगों को ऋण देने के उद्देश्य से गठित किया गया है।

मुख्य उद्देश्य: बैंकिंग प्रणाली से अछूते लोगों को वित्तीय समावेशन से जोड़ना।

शुरुआत – 2016 से

विशेषताएं – यह 1 लाख तक का ऋण उपलब्ध

→ ऋण देना, मांग जमा आदि कार्य।

→ क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, एटीएम कार्ड जारी।

→ यह बैंक अपने कुल ऋण का 75% प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को प्रदान करेंगे।

→ अन्य बैंकों के समान रिजर्व बैंक के विनियमों का पालन करना होगा।

अतः वित्तीय समावेशन की दिशा में उठाया कदम है।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

2.3 Zender Budget क्या है?

Ans: जेंडर बजट से तात्पर्य, बजट प्रक्रिया में शामिल प्रावधानों एवं कदमों को लिंग समानता एवं महिला सशक्तीकरण की दिशा में तैयार करना।

भारत सरकार ने 2005-06 के बजट में लैंगिक संवेदनशीलता को रेखांकित करते हुए बजटिंग को अपनाया।

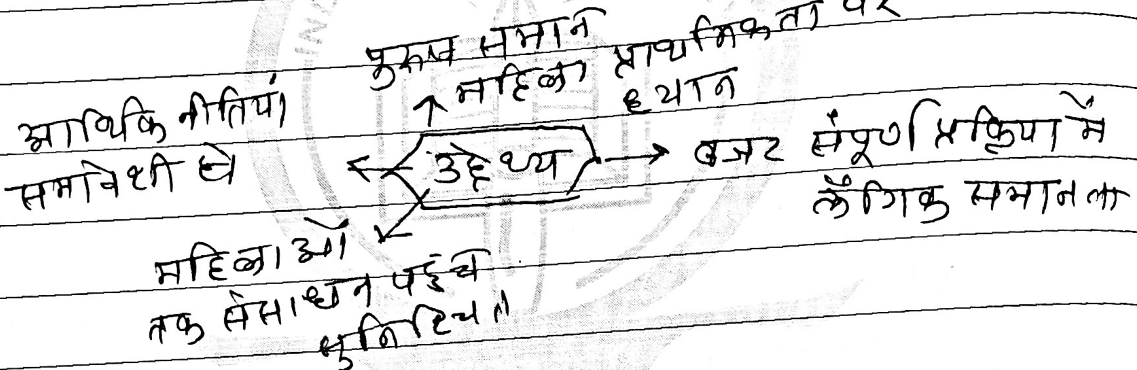

अतः इसी उद्देश्य से प्रेरित होकर 2018-19 बजट में बेटी-बचाओ बेटी पढ़ाओ, मातृत्व लाभ योजना, निर्भया फंड आदि में वित्त आवंटन वृद्धि की गई।

प्रश्न संख्या 2.5

मनरेगा और ग्रामीण गरीबी का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

मनरेगा कार्यक्रम मूलतः 2006 में ग्रामीण गरीबी दूर करने एवं ग्रामीण रोजगार वृद्धि करने के उद्देश्य से शुरु किया गया था।

जिसके प्रमुख उद्देश्यों में प्रत्येक परिवार के सदस्य को आवास के 5 कि.मी. के भीतर 100 दिन का 200 रु. प्रतिदिन का रोजगार दिया जायेगा। परन्तु इसके बावजूद भारत की ग्रामीण गरीबी 30-40% की दर से विद्यमान है।

कारण: मनरेगा में रोजगार को ही एकमात्र विकल्प मानना व अन्य अवसर न तलाशना।

→ मनरेगा के तहत धोखाधड़ी व कार्य विवाद, समय पर रोजगार भत्ता जरूरतमंदों को न मिलना।

→ शिक्षा, जागरूकता के अभाव से अकार्यकुशल रह जाना

निश्चित ही श्रमेव जयते, स्टार्टअप, PM-कौशल विकास योजना आदि कार्यक्रम गरीबी दूर करने में सहायक साबित होंगे।

2.6 आर्थिक विकास से क्या आशय है?

आर्थिक विकास अर्थात् व्यक्ति का समुचित विकास जो दीर्घकालीन उद्देश्यों से प्रेरित होता है। यह एक व्यापक अवधारणा है जिसमें आर्थिक संवृद्धि भी शामिल होती है।

आर्थिक विकास के तत्व :

1) आर्थिक तत्व :
- → प्राकृतिक संसाधन
- → शक्ति एवं ऊर्जा
- पूँजी निर्माण ← → विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
- जनसंख्या व चरित्र ← → परिवहन एवं संचार

2) गैर आर्थिक तत्व :
- → मानव विकास
- भ्रष्टाचार ← → सामाजिक सांस्कृतिक विकास
- विकास की आकांक्षा → राजनीतिक व्यवस्था व स्थिरता

निष्कर्षतः आर्थिक विकास हेतु समावेशी व समन्वयकारी कदम दीर्घकालीन उद्देश्यों हेतु उठाये जाने चाहिए।

प्रश्न संख्या 2.7

म० प्र० में हवाई यातायात ~~पथ~~ के विकास पर टिप्पणी कीजिए।

मध्यप्रदेश में परिवहन के तीन मार्गो रेल, सड़क एवं यातायात के माध्यम से आवागमन संभव होता है। इसी दिशा में हवाई यातायात हेतु म० प्र० में (2) अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे सहित (5) हवाई अड्डे विद्यमान हैं जो हैं – अहिल्याबाई हवाई अड्डा, राजा भोज हवाई अड्डा, जबलपुर हवाई अड्डा, ग्वालियर ~~एवं~~ ~~खजुराहो~~।

इसके अलावा खजुराहो एवं कान्हा किसली नेशनल पार्क में भी हवाई पट्टियाँ मौजूद हैं।

यह परिवहन बेहतर व समय बचत की दृष्टि से उपयुक्त मार्ग है। ~~विशेष~~

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

2-8 म०प्र० अर्थ० में सड़क यातायात का महत्व बताइए।

मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था में रेल, सड़क, एवं हवाई यातायात के तहत सड़क परिवहन का अहम महत्व है। यहां ③ प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग NH-44, सहित विद्यमान है -

महत्व :→ माल ढुलाई में सहायक
→ प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत ऊंची व सुविधाजनक ग्रामीण शहर जुड़ाव की सड़के निर्मित
→ कच्चा माल आवागमन उद्योग तक सुनिश्चित
→ ग्रामीण क्षेत्र जुड़ाव से आर्थिक गति० में वृद्धि - अंततः बचत व निवेश संभव।
→ कृषि अर्थव्यवस्था को सफल बनाने में मददगार

कमियां: कुछ क्षेत्रों में सड़क प्रबंधन खराब होने से कई गतिवि० बाधित होती है अंततः इनका सफल संचालन व निर्देशन किया जाना चाहिए।

~~मध्य प्र०~~ प्र० भारत में रोजगार की गुणवत्ता के मुद्दे की विवेचना कीजिए।

भारत में आर्थिक संवृद्धि व विकास सुनिश्चित करने हेतु रोजगार सहित संवृद्धि की जानी अति आवश्यक है जो गुणवत्तापूर्ण होनी चाहिए।

भारत में रोजगार प्रधानता वर्ग सेवा > कृषि > उद्योग

इस दृष्टि से सेवा क्षेत्र में रोजगार हेतु गुणवत्ता व कौशल युक्त मानव विकास किया जाना चाहिए।

प्रमुख चुनौतियाँ → शिक्षा, साक्षरता की कमी
वित्तीय समावेशन↓ ← → कृषि निर्भरता ↑↑
→ शहरी ग्रामीण जुड़ाव में कमी एवं

प्रयास: सरकार द्वारा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, रोजगार सृजन योजना, स्टैण्ड अप, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप आदि कार्यक्रम के माध्यम से रोजगार वृद्धि व गुणवत्ता संवर्धन का प्रयास किया जा रहा है

2.10

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग पर टिप्पणी

वर्ष 2002 में उद्योगों में निवेश संवर्धन नीति सरल बनाने एवं आर्थिक सुधार की दृष्टि से आयोग का गठन किया गया था।

इसे पूर्व प्रचलित एमआरटीपी एक्ट जमानत के पश्चात भारतीय प्रतिस्पर्धा अधि० 2002 के अन्तर्गत गठित किया गया।

संरचना : कुल अध्यक्ष सहित (4) सदस्य जिसमे (1) व्यक्ति उद्योग जगत से होना आवश्यक है

उद्देश्य : उद्योगों के बीच सकारात्मक प्रतिस्पर्धा में वृद्धि करना।

→ प्रतिस्पर्धा एवं निवेश संबंधी नियमों का संचालन करना

निष्कर्षतः संतुलनकारी संवृद्धि व आर्थिक सुधार दिशा में यह एक प्रभावकारी कदम है।

प्रश्न संख्या 2/11

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

इन्दौर कौटिल्य एकेडमी
AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED INSTITUTE
प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

उत्तर
ऐसे बैंक जो बैंकिंग नियमावली 1969 के अन्तर्गत पंजीकृत होते हैं एवं आरबीआई के तहत संचालित होते है।

प्रमुख कार्य - साख सृजन, ऋण प्रदान करना, डिपॉज़िट, डेबिट, क्रेडिट कार्ड, एटीएम कार्ड जारी करना।

प्रमुख बैंक - एसबीआई, पीएनबी आदि।

विशेषताएँ - ये बैंक वित्तीय समावेशन के माध्यम से लोगों की बैंकिंग पहुँच सुनिश्चित करते है
- उद्योगों को समर्थन एवं आर्थिक विकास सुनिश्चित।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

20 | 2 किसान क्रेडिट कार्ड योजना का वर्णन

किसान क्रेडिट कार्ड योजना बैंकिंग प्रणाली द्वारा सिंगल विंडो के माध्यम से पर्याप्त व समय पर ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार।

लाभार्थी- सभी किसान - काश्तकार, बंटाईदार जिनके पास भू-स्वामित्व है एवं इनके स्वयं सहायता समूह।

विशेषताएँ:
↳ अधिसूचित फसलें हेतु वितरित ऋण फसल बीमा योजना के अंतर्गत कवर किए जाते हैं
→ एटीएम, रूपे कार्ड जैसी सुविधा
→ केसीसी धारक मृत्यु। नि:शक्तता में जोखिम कवर प्रदान
→ इसके तहत ऋण प्राप्ति हेतु कोई शुल्क आरोपित नहीं
→ मुक्त कृषि ऋण सीमा 1.6 लाख ₹

निष्कर्षत, कृषक आय दोगुनी एवं आत्मनिर्भरता के उद्देश्यों की प्राप्ति संभव।

(15)

3.1 मौजूदा पूंजी बाजार का आलोचनात्मक मूल्यांकन

पूंजी बाजार किसी भी वित्तीय प्रणाली के तहत दीर्घकालिक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु संचालित किया जाता है।

3.2 भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान प्रवृत्तियों का उल्लेख

उत्तर: भारतीय अर्थव्यवस्था मुख्यतः कृषि प्रधान अर्थ. समझी जाती है जिसमे 50%. से अधिक श्रमबल कृषि कार्य क्षेत्र में संलग्न है परंतु इसके बावजूद आय सृजन में योगदान सेवा क्षेत्र की तुलना में कम है।

हाल ही में कोविड-19 जैसी महामारी के प्रकोप से आर्थिक व्यवस्था में भी कई नकारात्मक प्रभाव सामने आए हैं।

इन्हीं प्रभावों के मद्देनजर भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान प्रवृत्तियां निम्न हैं :

→ कोविड-19 प्रभाव से असंगठित क्षेत्रक रोजगार में कमी एवं बेरोजगारी प्रभाव
→ बचत एवं निवेश में कमी
→ जीडीपी एवं जीवीए में निम्न वृद्धि दर (2019-20) आर्थिक सर्वेक्षण क्रमशः 5.0% एवं 4.4%.
→ गुणवत्ता युक्त कौशल अभाव
→ बजट व राजकोषीय घाटे में कमी
→ आर्थिक विकास हेतु उच्च वृद्धि दर निरंतरता की चुनौति
→ अन्तरर्राष्ट्रीय संस्थाओं का अनचाहा दबाव ↑↑
→ वैश्विक प्रतिस्पर्धा में देश की औद्योगिक इकाइयों व उत्पाद का संघर्षरत होना।

प्रश्न संख्या

→ कृषि व औद्योगिक विकास में अपेक्षित वृद्धि न होना
→ भारत से ब्रेन ड्रेन की समस्या
→ संसाधन अनियमित व अनियोजित दोहन
→ नवीन तकनीक व अवेषण अकुशलता
→ सार्वजनिक क्षेत्र इकाइयों का घाटे में होना।

इन तमाम वर्तमान प्रवृत्तियों से निपटने एवं समावेशी विकास कायम करने हेतु भी कई कदम सरकार द्वारा उठाये जा रहे हैं

→ प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्ति हेतु प्रयासरत
→ कौशल विकास योजना, स्टार्ट अप, स्टैण्ड अप, रोजगार सृजन कार्यक्रम, श्रमेव जयते आदि माध्यम से कौशल उन्नयन
→ उद्योग संवर्धन नीति का अनुसरण
→ किसान क्रेडिट कार्ड, मृदा स्वास्थ्य कार्ड व हाल ही में संशोधित आवश्यक वस्तु अधिनि० 1955 व न्यूनतम समर्थन मूल्य सुधार कार्यक्रम आदि।
→ तकनीक उन्नयन, ट्रांसजेनिक फसल प्रयोग व जैविक खेती प्रयोग।

निष्कर्षतः तमाम चुनौतियां सहित कोविड-19 प्रभावों से निपटने हेतु भी सरकारी प्रयास सराहनीय है परन्तु इनमें पुनः नियमन व सहभागिता अति आवश्यक है ताकि सभी के हित सुनिश्चित किए जा सके।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

3.3 वित्तीय

Ans. वित्तीय समावेशन से तात्पर्य है - सभी नागरिकों तक बैंकों की सुनिश्चित पहुंच। अर्थात भारत में वर्तमान में बैंकिंग प्रणाली से भिन्न व अछूते नागरिकों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ना। इसके तहत उनका खाता खोलना एवं बचत निवेश की प्रवृत्ति विकसित करना शामिल है।

यह एक समावेशी विकास की अवधारणा है। मूलतः आर्थिक विकास हेतु लोगों में बचत व निवेश की प्रवृत्ति का विकसित होना अति आवश्यक है ताकि भविष्य सुनिश्चित किया जा सके।

वित्तीय समावेशन का महत्व :

- लोगों में बैंकिंग आदत डालना।
- आय का स्रोत सुनिश्चित करना एवं धोखाधड़ी एवं फर्जीवाड़ो से बचना
- बचत, निवेश प्रवृत्ति विकसित करना
- रोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना।
- ग्रामीण - शहरी - जनजातीय क्षेत्रों के मध्य जुड़ाव पैदा करना।

वित्तीय समावेशन की दिशा में सरकारी प्रयास :

→ प्रधानमंत्री जनधन योजना - ओवरड्रॉफ्ट की सुविधा के साथ प्रत्येक नागरिक का बैंक खाता खुलवाना एवं बैंकिंग प्रणाली से जोड़ना
→ पीओएस मशीन का प्रयोग
→ वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम - वित्तीय समावेशन हेतु जागरूकता फैलाना
→ डीबीटी योजना - सब्सिडी एवं अन्य वित्तीय सहायता की प्राप्ति सीधे खाते के माध्यम से करना
→ ग्रामीण क्षेत्रों तक एटीएम की संख्या में वृद्धि की जा रही है।
→ एनपीसीआई द्वारा यूपीआई के माध्यम से डिजिटल भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है।
→ सेबी द्वारा "पॉकेट मनी" कार्यक्रम लॉन्च
उद्देश्य - स्कूली छात्रों में वित्तीय साक्षरता ↑↑

चुनौतियाँ :
→ सभी की बैंकों तक पहुंच नहीं है।
→ डिजिटल डिवाइड की समस्या
→ अनौपचारिक एवं नकद आधारित अर्थव्यवस्था
→ लैंगिक अंतराल
→ शिक्षा एवं वित्तीय जागरूकता ↓

अन्य कदम : सुदूर क्षेत्रों में बैंकिंग संवाददाता मॉडल भेजे जाए।

→ साइबर सुरक्षा व डेटा सुरक्षा मजबूत की जाए।

→ भुगतान, लघु वित्त बैंक को अधिक प्रसारित करना

निष्कर्ष: यह एक बहुआयामी दृष्टिकोण है जिसे मजबूत अवसंरचना व जागरूकता के माध्यम से सफल बनाया जा सकता है।